ईएफ़एसएलई और दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय के बीच शैक्षणिक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक समझौते के तहत, **साहित्य एवं पर्यावरण अध्ययन पर्यान्वीक्षण संस्थान (EFSLE)** और **वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय (VNSGU)** ने आपस के शैक्षणिक संबंधों पर सहमति की मुहर लगा दिया. 12 फरवरी 2025 को विश्वविद्यालय के अंग्रेज़ी विभाग द्वारा आयोजित एक अन्तर्राष्ट्रीय सम्मलेन के दौरान इस समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया.

इस उपलक्ष में दोनों ही संस्थानों के प्रमुख अधिकारी मौजूद थे. विश्वविद्यालय की तरफ़ से कुलपति डॉ. किशोरसिंह एन. चावड़ा, कार्यकारी रजिस्ट्रार डॉ. नरेन्द्र पटेल और अंग्रेज़ी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) महेश कुमार डे मौजूद थे वहीँ ईएफ़एसएलई तरफ़ से इसके अध्यक्ष डॉ. ऋषिकेश कुमार सिंह उपस्थित थे.

यह पाँच वर्षीय समझौता पर्यालोचना (Ecocriticism) के क्षेत्र में किए जाने वाले शोधकार्यों को आगे बढ़ाने में अग्रणी भूमिका निभाता है। यह साझेदारी इसी क्षेत्र से जुड़े विभिन्न शैक्षणिक विषयों को भी शामिल करती है। यह सहयोग मानविकी के पारंपरिक विषयों, जिसमें साहित्य, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र और इतिहास शामिल हैं, को भी शामिल करेगा. इसके अतिरिक्त, इसका फैलाव संगीत, भूगोल, राजनीति विज्ञान और अर्थशास्त्र में भी होगा। यह समझौता विशेष रूप से महिला अध्ययन, सांस्कृतिक अध्ययन और जनजातीय तथा आदिवासी एवं सामुदायिक अध्ययन पर बल देता है।

यह साझेदारी केवल मानविकी विषय तक ही सीमित नहीं है। इसमें विभिन्न वैज्ञानिक विषयों को भी शामिल किया गया है, जैसे कि पादप अध्ययन एवं औषधीय विज्ञान, नृवंशविज्ञान (Ethnobotony) और जंतु विज्ञान। यह सहयोग प्राकृतिक विज्ञान, स्वास्थ्य विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान और पारिस्थितिकी पर भी केंद्रित होगा।

इस समझौता ज्ञापन (MoU) के तहत, दोनों संस्थान कई शैक्षणिक कार्यक्रमों का आयोजन करेंगे। इनमें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, सेमिनार, कार्यशालाएँ और संगोष्ठियाँ शामिल होंगी। इस समझौते में दोनों संस्थानों के बीच अकादमिक आदान-प्रदान के कार्यक्रमों का भी प्रावधान है।

इस साझेदारी की प्रमुख विशेषता में एक अंतरराष्ट्रीय प्रकाशन मंच का निर्माण भी करना है। यह मंच दोनों संस्थानों के शोधकर्ताओं और संकाय सदस्यों को अपने शोध पत्र और लेख प्रकाशित करने के अवसर प्रदान करेगा।

ईएफ़एसएलई अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर एक खुले सामाजिक-पर्यावरणीय मंच के रूप में कार्य करता है। यह संगठन विभिन्न समूहों के बीच रचनात्मक संवाद को बढ़ावा देता है। इनमें बुद्धिजीवी, शिक्षाविद, पर्यावरण कार्यकर्ता, प्रकृतिवादी और प्रकृति प्रेमी भी शामिल हैं।

ईएफएसएलई ने पूरे भारत में कार्यकारी परिषदों (Executive Councils) की स्थापना की है, जिसमें सिर्फ़ गुजरात राज्य में ही इसके चार केंद्र है।

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, जो इस वर्ष अपनी स्थापना की 60वीं वर्षगांठ मना रहा है, इस साझेदारी में अपनी समृद्ध शैक्षणिक विरासत को लेकर आया है। 1965 में स्थापित, यह सार्वजनिक विश्वविद्यालय सूरत में परा-स्नातक और स्नातकोत्तर दोनों कार्यक्रम प्रदान करता है।

वीएनएसजीयू (VNSGU) विशेष रूप से अपने नवाचारपूर्ण स्नातकोत्तर विभागों के लिए जाना जाता है। इनमें लोक प्रशासन (public administration), ग्रामीण अध्ययन (rural studies), तुलनात्मक साहित्य (comparative literature) और जलीय जीव विज्ञान (aquatic biology) शामिल हैं।

यह सहयोग अंतःविषयक (interdisciplinary) अनुसंधान और शैक्षणिक विनिमय को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह साझेदारी साहित्य (literatures), भाषा (languages), मानविकी (humanities) और विज्ञान (sciences) के बीच की खाई को भी पाटने का प्रयास करती है, साथ ही शैक्षणिक पहलों के माध्यम से पर्यावरण जागरूकता (environmental awareness) और सतत् विकास (sustainable development) को भी बढ़ावा देती है।